४. मन

(पूरक पठन)

–विकास परिहार

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक ।

करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा ।

जीवन नैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन ?

रंग–बिरंगे
रंग–संग लेकर
आया फागुन ।

काँटों के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा ।

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर ।

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन ।

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा ।

परिचय

जन्म : १९८३, गुना (म.प्र.)

परिचय : विकास परिहार ने २००० से २००६ तक भारतीय वायुसेना को अपनी सेवाएँ दीं फिर पत्रकारिता के क्षेत्र में उतरने के बाद रेडियो से जुड़े । साहित्य में विशेष रुचि होने के कारण आप नाट्य गतिविधियों से भी जुड़े हुए हैं ।

पद्य संबंधी

हाइकु : यह जापान की लोकप्रिय काव्य विधा है । हाइकु विश्व की सबसे छोटी कविता कही जाती है । पाँचवें दशक से हिंदी साहित्य ने हाइकु को खुले मन से स्वीकार किया है। हाइकु कविता ५+७+५=१७ वर्ण के ढाँचे में लिखी जाती है ।

प्रस्तुत हाइकु में कवि ने अपने अनुभवों और छोटी–छोटी विभिन्न घटनाओं को अर्थवाही सीमित शब्दों में प्रस्तुत किया है ।

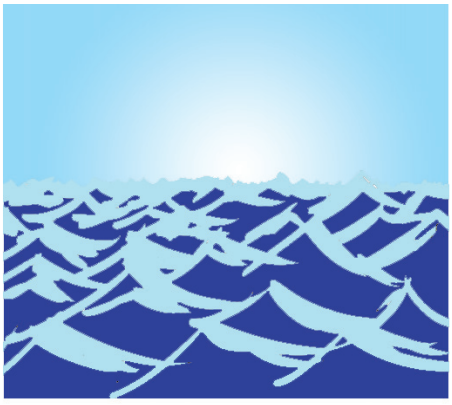

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं आँखें ।

चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन ।

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश ।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर ।

सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही ।

—— ० ——

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

अ		आ
मछली	-------	मौन
गीतों के स्वर	-------	सूना
रेल की पटरियाँ	-------	प्यासी
आकाश	-------	अमर
		पीड़ा

(२) परिणाम लिखिए :

१. सितारों का छिपना –

२. तुम्हारा गीतों को स्वर देना –

(३) सरल अर्थ लिखिए :

मन की ------ बरसीं आँखें ।

शब्द संसार

मँझधार स्त्री.सं.(हिं.) = नदी के प्रवाह का मध्यभाग
कुंठा स्त्री.सं.(सं.) = घोर निराशा
विषाद पुं.सं.(सं.) = अभिलाषा पूरी न होने पर मन में होने वाला खेद या दुख
जिजीविषा स्त्री.सं.(सं.) = जीवन के प्रति आसक्ति/जीने की इच्छा
ओट स्त्री.सं.(सं.) = आड़

स्वाध्याय

❊ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) लिखिए :

निम्नलिखित हाइकु द्वारा मिलने वाला संदेश	
करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा ।	भीतरी कुंठा नयनों के द्वार से आई बाहर ।
----------	----------
----------	----------
----------	----------

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

हाइकु में प्रयुक्त महीना और उसकी ऋतु

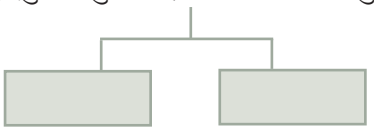

(३) उत्तर लिखिए :

१. मँझधार में डोले -------

२. छिपे हुए -------

३. धुल गए -------

४. अमर हुए -------

(४) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए :

१. चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन ।

२. काँटों के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा ।

उपयोजित लेखन

वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र/सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है, उसे धन्यवाद देते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए :

दिनांक : .....

संबोधन : .....

अभिवादन : .....

प्रारंभ :

विषय विवेचन :

तुम्हारा/तुम्हारी,

.....

नाम : .....

पता : .....

ई–मेल आईडी : .....

BN7VQP